>

Title: Need to set up a permanent exhibition centre in Mehsana Parliamentary Constituency of Gujarat to boost tourism.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान कॉपर बर्तनों के उद्योग के बारे में आकर्षित करना चाहती हूं। भारत सरकार ने हस्तशिल्पियों के उत्थान में अनेक कदम उठाए हैं, जैसे कि आर्थिक सहायता, प्रदर्शनी इत्यादि किंतु कॉपर कामगारों को उचित लाभ प्राप्त नहीं हुआ है तथा इन्हें उचित प्रोत्साहन भी नहीं दिया जाता है। अभी भी कॉपर कामगार अपने पुराने तौर-तरीके अपना रहे हैं। वे आधुनिक टैक्निकल प्रयासों से वंचित हैं तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूर्णतः लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र बिसनगर, जिला मेहसाणा और सौराष्ट्र के सिहोर तथा बढ़वान में कॉपर कामगारों के बर्तन तथा उनके कलपुर्जों का बड़ा कारोबार चलता है। मैं भारत के सभी राज्यों में पर्यटन का विकास चाहती हूं। इसके लिए कॉपर बर्तनों की स्थायी प्रदर्शनियां लगायी जाएं।

महोदय, अब तो आयुर्वेदिक विज्ञान भी हमारी हैल्थ के बारे में कॉपर के बर्तनों का ज्यादातर उपयोग की सलाह देते हैं। आज भी कॉपर के बर्तनों का उत्पादन एवं कारोबार भारत के करीबन 50 बड़े शहरों में चल रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करती हूं कि कॉपर के बर्तनों का उद्योग आज मृत प्रायः हालत में है। आज भी कई कामगारों की रोटी छीनी जा रही है। कामगार और इस व्यवसाय में लगी हुई ट्रेडिंग कंपनियां और छोटे-छोटे दुकानदार आज भी इस चपेट में आ गये हैं। छोटे-छोटे दुकानदारों और कामगारों को बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है।

महोदय, आज यह उद्योग बड़े-बड़े कारखानों वाले उद्योगपतियों की ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमा लेने के चक्कर मे फंस गया है। ये लोग कॉपर की कच्चे माल की जो सीट्स बनाते हैं, इसमें पीतल और जस्त की मिलावट करते हैं, इसके कारण कॉपर के कलपुर्जे और बर्तन बनाने वाले कामगारों को बर्तन और कलपुर्जे बनाने में बड़ी कठिनाई एवं दिक्कत पड़ती है। इन सभी का उत्पादन आधा हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि कम उत्पादन से कम रोजगार मिलता है और उत्पादन शुद्ध न होने की वजह से उपभोक्ता ने भी कॉपर के बर्तनों की खरीददारी से मुंह फेर लिया है। इसीलिए मैं पर्यटन तथा वाणिज्य उद्योग मंत्रालय से इस दिशा में कारगर कदम जैसे कि स्थायी प्रदर्शनी व कॉपर कामगारों को आधुनिक टैक्नीकल प्रशिक्षण दिलाने की विनती करती हूं।